भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति

तारीखः 13 सितम्बर, 2025

जारी करने का समय: 1345 घंटे

विषय: i) बंगाल की खाड़ी के पश्चिम-मध्य और उससे सटे उत्तर-पश्चिम, उत्तरी आंध्र प्रदेश-दक्षिण ओडिशा तटों पर निम्न दबाव क्षेत्र के प्रभाव में, 13-15 तारीख के दौरान ओडिशा और महाराष्ट्र में; 13 और 14 तारीख को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 13-16 तारीख के दौरान छत्तीसगढ़ में; 13-17 सितंबर के दौरान तेलंगाना में भारी वर्षा होने की संभावना है; 13 तारीख को तेलंगाना में; 14 और 15 तारीख को तटीय महाराष्ट्र और 15 सितंबर, 2025 को मध्य महाराष्ट्र में बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

ii) 15 सितंबर, 2025 के आसपास पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों से दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हो रही हैं।

पिछले 24 घंटों में 13 सितम्बर, 2025 को सुबह 08:30 बजे IST तक का मौसम विवरण:

- उत्तराखंड में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) के साथ भारी से बहुत भारी वर्षा दर्ज की गई है।
- असम, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम और मराठवाड़ा में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- हिमाचल प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, ओडिशा, बिहार, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ, झारखंड, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु और पुडुचेरी में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- पिछले मौसम की अधिक जानकारी के लिए, कृपया **अनुलग्नक I** देखें।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक II और III देखें):

- 15 सितंबर के आसपास पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों से दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हो रही हैं।
- मानसून द्रोणिका का पश्चिमी छोर औसत समुद्र तल पर लगभग सामान्य है और पूर्वी छोर अपनी सामान्य स्थिति से दक्षिण की ओर है।
- निम्न दबाव का क्षेत्र आज, 13 सितंबर, 2025 को सुबह 0830 बजे भारतीय समयानुसार पश्चिम-मध्य और उससे सटे उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी, उत्तरी आंध्र प्रदेश-दक्षिण ओडिशा तटों पर स्थित है। अगले 2 दिनों के दौरान इसके दक्षिण ओडिशा और उससे सटे उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिण छत्तीसगढ़ से होते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है।
- दक्षिण-पश्चिम बिहार और उससे सटे झारखंड पर एक ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है और दूसरा निचले क्षोभमंडल स्तरों पर मध्य असम पर बना हुआ है।

- निम्न दबाव क्षेत्र से जुड़े चक्रवाती परिसंचरण से निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तरों पर दक्षिण महाराष्ट्र तक एक द्रोणिका बनी हुई है जो ऊँचाई के साथ दक्षिण-पश्चिम की ओर झुकती है।
- निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तर-पूर्वी राजस्थान और उसके आसपास के क्षेत्रों में एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है।
- निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर दक्षिण आंतरिक कर्नाटक से मन्नार की खाड़ी तक एक द्रोणिका बनी हुई है।

इन प्रणालियों के प्रभाव में, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

पूर्वोत्तर भारत:

- 13 से 18 सितंबर के दौरान अरुणाचल प्रदेश में; 13 से 16 सितंबर और 18, 19 सितंबर को असम और मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की/मध्यम बारिश/तूफान और अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।
- 13 से 16 सितंबर को अरुणाचल प्रदेश; 13 सितंबर को नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा; 14 और 15 सितंबर को असम और मेघालय में बहुत भारी बारिश की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 13 सितंबर और 16 से 19 सितंबर के दौरान तमिलनाडु; 13 और 14 सितंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम; 13 सितंबर को रायलसीमा; 13 से 17 सितंबर के दौरान तेलंगाना; 13 से 16 सितंबर को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/तूफान और तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा) के साथ अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।
- 13 सितंबर को तेलंगाना में बहुत भारी बारिश की संभावना है।
- अगले 5 दिनों तक तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में तेज सतही हवाएं (30-50 किमी/घंटा) की संभावना है।

पूर्व और मध्य भारत:

- 14 से 16 सितंबर को पश्चिम मध्य प्रदेश; 13 से 15 सितंबर को पूर्व मध्य प्रदेश, विदर्भ और ओडिशा; 13 से 16 सितंबर को छत्तीसगढ़; 14 और 17 से 19 सितंबर को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह; 13 से 19 सितंबर को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 13 से 17 सितंबर को बिहार; 15 से 17 सितंबर को झारखंड में अधिकांश/कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/तूफान और अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।
- 13 और 14 सितंबर को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 14 से 16 सितंबर को बिहार में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- 13 से 15 सितंबर के दौरान कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में कई/कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/तूफान और अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।
- 14 और 15 सितंबर को कोंकण और गोवा; 15 सितंबर को मध्य महाराष्ट्र में बहुत भारी बारिश की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- 13 और 14 सितंबर को हिमाचल प्रदेश; 13 से 16 सितंबर को उत्तराखंड; 13 सितंबर को उत्तरी पंजाब; 15 से 19 सितंबर को पूर्वी उत्तर प्रदेश में कुछ/अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश/तूफान और अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।
- 13 सितंबर को उत्तराखंड में बहुत भारी बारिश की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को निम्नलिखित क्षेत्रों में जाने से बचने की सलाह दी जाती है:

अरब सागर:

- 13 से 15 सितंबर के दौरान पश्चिम-मध्य और आसपास के दक्षिण-पश्चिम अरब सागर और सोमालिया तट के साथ और उसके आसपास; 14 से 15 सितंबर के दौरान ओमान-यमन तटों के साथ और उसके आसपास न जाएँ।
- 13 और 14, 16 सितंबर को उत्तर-पश्चिम और आसपास के पश्चिम-मध्य अरब सागर और ओमान तट के साथ और उसके आसपास न जाएँ।
- 15 सितंबर को पूर्व-मध्य अरब सागर और महाराष्ट्र तट के साथ और उसके आसपास न जाएँ।

बंगाल की खाड़ी:

- 13 सितंबर को पश्चिम-मध्य और आसपास के उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और आंध्र प्रदेश-उत्तरी तमिलनाडु तटों के साथ और उसके आसपास न जाएँ।
- 13 से 18 सितंबर के दौरान मन्नार की खाड़ी और आसपास के कोमोरिन क्षेत्र, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों और दक्षिण श्रीलंका तट के साथ और उसके आसपास न जाएँ।

ii. 13 सितम्बर से 16 सितंबर 2025 के दौरान दिल्ली/एनसीआर में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक IV)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिलेवार चेतावनियों के लिए देखें: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक I

वर्षा रिकॉर्ड की गई (से.मी.):

- **उत्तराखंड:** हरिपुर (जिला देहरादून) 25, नरेंद्रनगर (जिला गढ़वाल टिहरी) 23, मसूरी (जिला देहरादून) 19, जॉलीग्रांट (जिला देहरादून) 11, समा (जिला बागेश्वर) 11, ऋषिकेश (जिला देहरादून) 8, हरिद्वार (जिला हरिद्वार) 8;
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम:** बारोभिशा (जिला अलीपुरद्वार) 17, चेल (जिला जलपाईगुड़ी) 16, बक्सादुआर (जिला अलीपुरद्वार) 14, हिल्ला टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 14, चेपन (जिला अलीपुरद्वार) 13, मेखलीगंज (जिला कूच बिहार) 13, अम्फू पुंडीबारी (जिला कूच बिहार) 11, फालाकाटा (जिला अलीपुरद्वार) 10, घीश (जिला जलपाईगुड़ी) 10, लीश रिवर टी गार्डन (जिला जलपाईगुड़ी) 10, दालगांव टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 9, वाशाबारी टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 9, घुघुमारी (जिला कूच बिहार) 8, कुरती टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 8, डायना टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 8, भगतपुर टी एस्टेट (जिला जलपाईगुड़ी) 8, घटिया टी.ई. (जिला जलपाईगुड़ी) 8, चेंगमारी/डायना (जिला जलपाईगुड़ी) 7, कुमारग्राम (जिला अलीपुरद्वार) 7, रायदक टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 7, अलीपुरद्वार (पीटीओ) (जिला अलीपुरद्वार) 7;
- **मराठवाड़ा**: पूर्णा (जिला परभणी) 16, पालम (जिला परभणी) 11;
- **असम**: तिनसुकिया (जिला तिनसुकिया) 13, गोसाईगांव_एडब्ल्यूएस (जिला कोकराझार) 8, जियागांव (जिला तिनसुकिया) 8, धुबरी_आईएमडी (जिला धुबरी) 8;
- **पूर्व मध्य प्रदेश:** बिलहरी (जिला कटनी) 11, लालबुर्रा (जिला बालाघाट) 9;

- **हिमाचल प्रदेश**: पालमपुर (जिला कांगड़ा) 9;
- **अरुणाचल प्रदेश:** लोंगडिंग एडब्ल्यूएस (जिला लोंगडिंग) 9;
- **तेलंगाना**: जकरनपल्ली (जिला निजामाबाद) 9, कोल्लापुर (जिला नागरकुरनूल) 9, कासीपेट (जिला मंचेरियल) 8, धार पल्ले (जिला निजामाबाद) 7, नविपेट (जिला निजामाबाद) 7;
- **विदर्भ**: हिंगनघाट (जिला वर्धा) 9, वरोरा (जिला चंद्रपुर) 8;
- **तमिलनाडु और पुदुचेरी:** पुदुचेरी टाउन (जिला पुदुचेरी) 8, विलुपुरम (जिला विलुपुरम) 7;
- **मिजोरम**: खावजॉल एडब्ल्यूएस (जिला खावजॉल) 8;
- तटीय आंध्र प्रदेश: पुसपटिरेगा (जिला विजयनगरम) 7;
- **उत्तर आंतरिक कर्नाटक**: धारवाड़ (जिला धारवाड़) 7;
- **पश्चिम उत्तर प्रदेश**: नजीबाबाद (जिला बिजनौर) 7;
- **ओडिशा**: भापुर (जिला नयागढ़) 7;
- **बिहार**: सिकता (जिला पश्चिम चंपारण) 7;
- **झारखंड**: तिलैया (जिला कोडरमा) 7.

अनुलग्नक II

Table-1

7 Days Rainfall Forecast

S.No.	Subdivision	13- Sep	14- Sep	15- Sep	16- Sep	17- Sep	18- Sep	19- Sep
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
7	ODISHA	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
8	JHARKHAND	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
9	BIHAR	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
12	UTTARAKHAND	WS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
20	EAST MADHYA PRADESH	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	SCT	FWS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	FWS	WS	FWS	FWS	SCT	SCT
25	MARATHWADA	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
26	VIDARBHA	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
27	CHHATTISGARH	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
29	TELANGANA	WS	WS	WS	WS	SCT	SCT	SCT
30	RAYALASEEMA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	SCT	FWS	FWS	FWS	WS	WS	FWS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
35	KERALA AND MAHE	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
36	LAKSHADWEEP	SCT	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

अनुलग्नक III

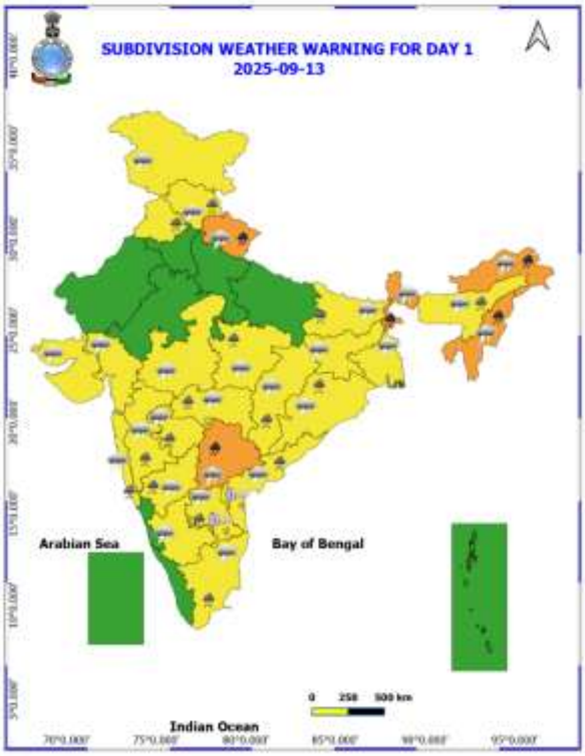
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2025-09-13
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

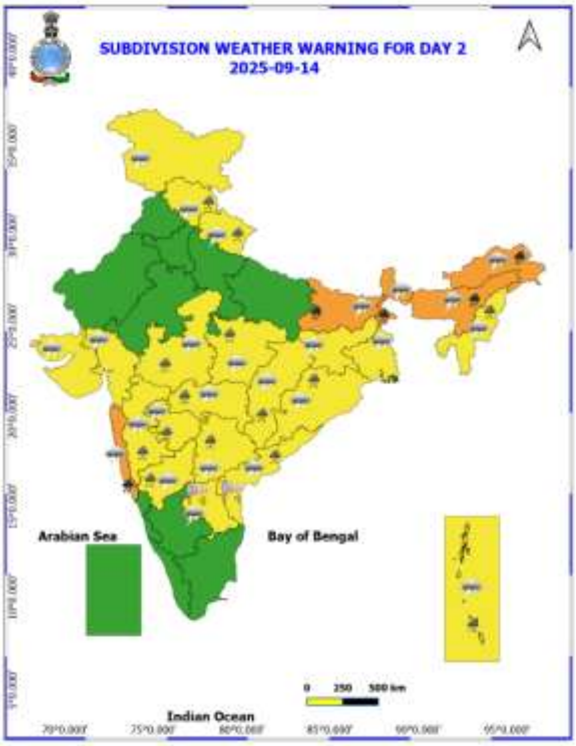
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2025-09-14
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

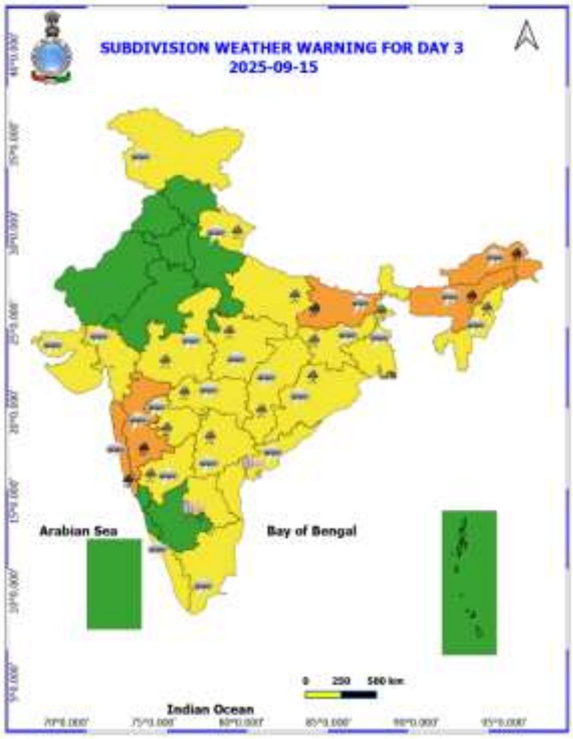
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2025-09-15
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

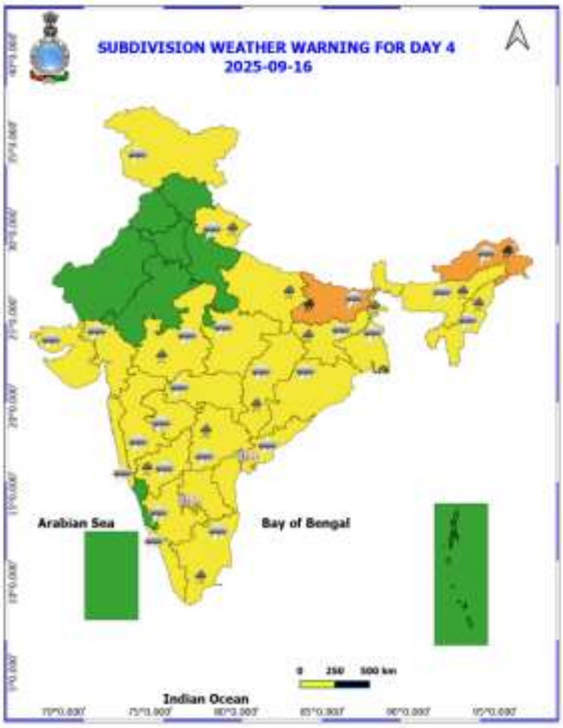

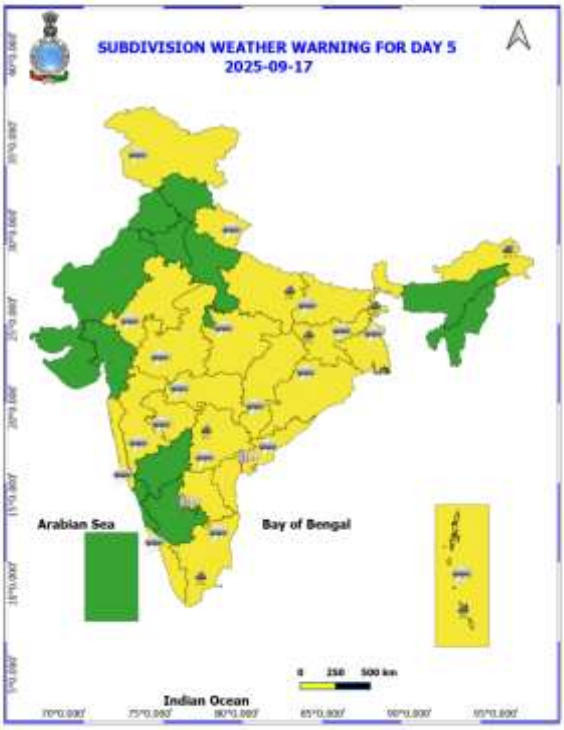

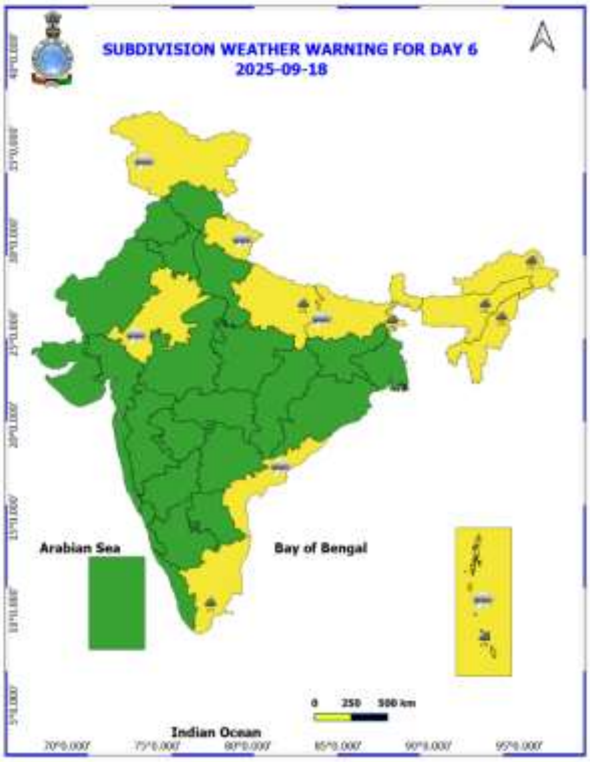

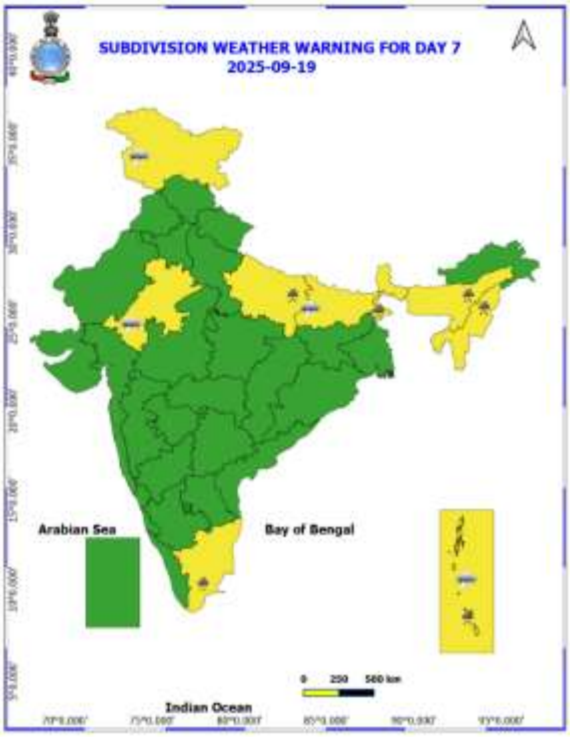

- **नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।**
- **असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।**
- **जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।**

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है
https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक IV

दिल्ली/एनसीआर में 13 से 16 सितंबर 2025 तक का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली/एनसीआर में न्यूनतम तापमान में 1 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि हुई है, जबकि अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 34 डिग्री सेल्सियस और 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब थे। आंशिक रूप से बादल छाए रहने की स्थिति थी, जिसमें मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम/पश्चिम दिशा से 20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार के साथ सतही हवाएं चलीं। आज सुबह के समय क्षेत्र में मुख्य रूप से साफ आकाश के साथ पश्चिम दिशा से 14 किमी प्रति घंटे से कम रफ्तार की हवाएं चलीं।

मौसम पूर्वानुमान:

13.09.2025: मुख्य रूप से साफ आकाश, दोपहर की ओर आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा। मुख्य सतही हवाएं दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से 20-25 किमी प्रति घंटे की रफ्तार के साथ चलेंगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और दिशा उत्तर-पश्चिम रहेगी।

14.09.2025: मुख्य रूप से साफ आकाश, दोपहर की ओर आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। कुछ स्थानों पर बहुत हल्की बारिश की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा। मुख्य सतही हवाएं सुबह के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से 20-22 किमी प्रति घंटे की रफ्तार के साथ चलेंगी। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर 25 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और दिशा उत्तर-पश्चिम रहेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 12 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और दिशा दक्षिण-पश्चिम हो जाएगी।

15.09.2025: मुख्य रूप से साफ आकाश। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और 23 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस कम और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा। मुख्य सतही हवाएं सुबह के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से 15-20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार के साथ चलेंगी। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर 25 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और दिशा उत्तर-पश्चिम रहेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और दिशा दक्षिण-पश्चिम हो जाएगी।

16.09.2025: मुख्य रूप से साफ आकाश। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33 से 35 डिग्री सेल्सियस और 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब और अधिकतम तापमान सामान्य से 1 से 2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहेगा। मुख्य सतही हवाएं सुबह के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से 15-20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार के साथ चलेंगी। दोपहर में हवा की गति धीरे-धीरे बढ़कर 25 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और दिशा उत्तर-पश्चिम रहेगी। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी प्रति घंटे से कम हो जाएगी और दिशा दक्षिण-पश्चिम हो जाएगी।

बहुत भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- 13 तारीख को उत्तराखंड, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, तेलंगाना में; 13-16 तारीख के दौरान अरुणाचल प्रदेश; 13 और 14 तारीख को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 14 और 15 तारीख को असम और मेघालय, कोंकण और गोवा; 14-16 तारीख के दौरान बिहार और 15 सितंबर को मध्य महाराष्ट्र में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (12-20 सेमी) की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव

- स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और मुख्य रूप से उपरोक्त क्षेत्र के शहरी इलाकों में अंडरपास बंद होना।
- भारी वर्षा के कारण कभी-कभी दृश्यता में कमी।

- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण प्रमुख शहरों में यातायात बाधित होना, जिससे यात्रा का समय बढ़ जाएगा।
- ❖ कच्ची सड़कों को मामूली नुकसान।
- ❖ कमजोर संरचनाओं को नुकसान की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/मिट्टी का धंसना।
- ❖ जलभराव के कारण कुछ क्षेत्रों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- ❖ इससे कुछ नदी जलग्रहण क्षेत्रों में बाढ़ आ सकती है (नदी बाढ़ के लिए कृपया सीडब्ल्यूसी के वेब पेज पर जाएँ)।

सुझाई गई कार्रवाई

- ❖ अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात की भीड़ की जांच करें।
- ❖ इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- ❖ उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ असुरक्षित संरचनाओं में रहने से बचें।

भारी / भारी से बहुत भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ➢ उत्तराखंड में, उप-आर्द्र उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र में मूंग, उड़द, सोयाबीन, सनवा और रागी के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी करें। भाबर और तराई क्षेत्र में, धान, अरहर, उड़द, मूंग, रागी, मक्का और सोयाबीन के खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें। भारी वर्षा की स्थिति में आलू और मूली की बुवाई न करें और पहले से ही बोई गई फसलों में जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। पहाड़ी क्षेत्र में, परिपक्व सनवा, अदरक और वर्षा-आधारित धान की फसल की कटाई करें तथा कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। अरहर और सब्जी की फसलों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- ➢ अरुणाचल प्रदेश में, झूम धान, सोयाबीन, रागी, कांगनी एवं सब्ज़ियों की परिपक्व फसलों, केले के पके हुए गुच्छों और सेब व कीवी के पके हुए फलों की तुरंत कटाई करें तथा उपज को उचित ढके हुए स्थान पर स्थानांतरित करें। खड़ी फ़सलों जैसे धान, सोयाबीन, रागी एवं सब्ज़ियों तथा फलों के बागानों में जलजमाव से बचाव हेतु उचित जल निकासी बनाए रखें। भारी वर्षा के दौरान फ्रेंच बीन की नई बुवाई न करें तथा पहले से ही बोई गई फ़सल में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- ➢ असम में, पहाड़ी क्षेत्र में धान, गन्ना, उड़द और तिल के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। निचले ब्रह्मपुत्र घाटी क्षेत्र में, साली धान के खेतों तथा सब्जियों की नर्सरी क्यारियों में उचित जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करें। भारी वर्षा से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु नर्सरी क्यारियों को पतली पॉलीथिन से ढक दें। बराक घाटी क्षेत्र में, मूंग और उड़द की बुवाई स्थगित कर दें एवं धान, सब्जियों और पहले से ही बोई गई मूंग तथा उड़द की फसलों में पर्याप्त जल निकासी की सुविधा प्रदान करें।
- ➢ मेघालय में, अदरक एवं सब्जियों के खेतों तथा फलों के बागानों में उचित जल निकासी बनाए रखें। केला, पपीता, कद्दू आदि जैसी ऊँची और नाज़ुक फसलों को गिरने से बचाने हेतु सहारा प्रदान करें।
- ➢ मणिपुर में, परिपक्व अरबी और सोयाबीन की परिपक्व फलियों की कटाई करें।
- ➢ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, तराई क्षेत्र में अमन धान एवं सब्ज़ियों (मिर्च, करेला, परवल, भिंडी, बैंगन आदि) के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी करें।
- ➢ बिहार में, उत्तर-पश्चिम जलोढ़ मैदानी क्षेत्र में मक्का और सब्जियों जैसी खड़ी फसलों तथा उत्तर-पूर्व जलोढ़ क्षेत्र में मक्का, रागी और सब्जियों जैसी खड़ी फसलों से अतिरिक्त वर्षा जल की उचित निकासी सुनिश्चित करें।
- ➢ महाराष्ट्र में, मध्य महाराष्ट्र में मूंग और उड़द की परिपक्व फसलों तथा मराठवाड़ा में चीकू और शरीफा के परिपक्व फलों की तुरंत कटाई करें तथा कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। विदर्भ में, मूंग और उड़द की कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर संग्रहित करें, यदि भंडारण संभव न हो, तो कटी हुई उपज को प्लास्टिक या तिरपाल से ढक दें। कोंकण में, सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से; मध्य महाराष्ट्र में धान, गन्ना, अरहर, सोयाबीन, मक्का एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से; मराठवाड़ा में गन्ना, ज्वार, सोयाबीन, हल्दी एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से तथा विदर्भ में अरहर, कपास, सोयाबीन, मक्का एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।

- आंध्र प्रदेश में, उत्तरी तटीय क्षेत्र में धान, मक्का, कपास, मेस्ता, मूंग, उड़द, मूंगफली, गन्ना और सब्जियों के खेतों से; उच्च ऊंचाई वाले जनजातीय क्षेत्र में धान, गन्ना, मक्का, रागी, मूंगफली, अदरक, हल्दी एवं सब्जियों के खेतों और फलों के बागानों से तथा कृष्णा गोदावरी क्षेत्र में धान, मक्का, अरहर और कपास के खेतों से अतिरिक्त जल की निकासी हेतु उचित व्यवस्था करें।
- तेलंगाना में, धान, मक्का, कपास, सोयाबीन, अरहर, हल्दी और सब्जियों के खेतों में अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी हेतु पर्याप्त जल निकासी सुविधाएं सुनिश्चित करें।

पशुपालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार प्रदान करें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- अतिरिक्त पानी को निकालने हेतु तालाब के चारों ओर उचित जाल का प्रयोग करके एक आउटलेट का निर्माण करें, जिससे अतिप्रवाह की स्थिति में मछलियों को बाहर निकलने से रोका जा सके।

तूफान / तेज़ हवाओं / तूफानी हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- बागवानी फसलों, सब्जियों और युवा फलों के पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

किंवदंतियाँ एवं संक्षिप्ताक्षर:

- **भारी वर्षा:** 64.5-115.5 मिमी; **बहुत भारी वर्षा:** 115.6-204.4 मिमी; **अत्यधिक भारी वर्षा:** >204.4 मिमी।

मौसम विज्ञान उप-विभागों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- **उत्तर-पश्चिम भारत:** पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- **मध्य भारत:** पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- **पूर्वी भारत:** बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- **पूर्वोत्तर भारत:** अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- **पश्चिम भारत:** गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठावाड़ा।
- **दक्षिण भारत:** तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तर आंतरिक कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

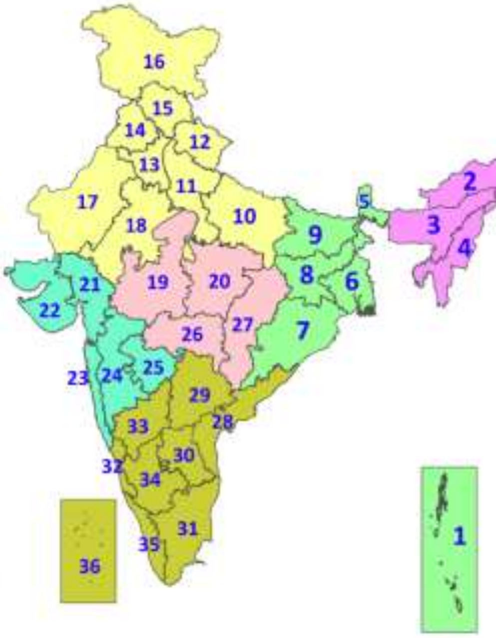

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- Fog
- Heavy Rain
- Very Heavy Rain
- Extremely Heavy Rain
- Thunder & Lightning
- Hailstorm
- Dust Raising Winds
- Heavy Snow
- Dust Storm
- Heat Wave
- Warm Night
- Hot Day
- Hot & Humid
- Strong Surface Winds
- Cold Wave
- Cold Day
- Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)